२५ दिवसीय मशरूम उत्पादक प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रगति प्रतिवेदन

वर्ष २०१८–१९

कृषि विज्ञानं केंद्र, कटिया, सीतापुर,

उत्तर प्रदेश–२६११४५

कृषि एवं सम्बंधित क्षेत्रों में मजबूती और उद्यमिता विकास से जुडी स्थायी परिस्थितिक प्रणाली के निर्माण के लिए भारतीय कृषि कौशल परिषद् (कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा किसानो, श्रमिको, स्व–रोजगार और विस्तार कार्यकर्ता, जो संगठित एवं असंगठित कृषि और सम्बंधित उद्योगों में लगे हुए है उनके कौशल विकास और क्षमता निर्माण में सेतु की भूमिका निभाने के लिए कृषि विज्ञानं केंद्र कटिया को एक प्रशिक्षण केंद्र के तौर पर अस्थायी मान्यता प्रदान की गयी है।

Skill India

ASCI Agriculture Skill Council of India

N·S·D·C National Skill Development Corporation

Certificate of Provisional Affiliation

Date of Issue: 13th December 2018

Registration No.: ASCI/GN/G/832/18-01

Based on the application and subsequent evaluation by Agriculture Skill Council of India (ASCI), this is to certify that **Krishi Vigyan Kendra, Sitapur - II** registered at Village- Katia, Post- Ulara (Manpur), Block-Biswan, District- Sitapur, Uttar Pradesh- 261145 is authorized for training of students in below mentioned Job roles as per ASCI guidelines. This certificate is valid till 31st March, 2019.

Job Roles	Level	QP Reference ID
Quality Seed Grower	4	AGR/Q7101
Mushroom Grower	4	AGR/Q7803

(Vatsala Aggarwal)
Authorized Signatory

6th Floor, GNG Tower, Plot No.-10, Sector-44, Gurgaon, Haryana -122004
Tel.: +91-124-4814659, Email: info@asci-india.com, Website: www.asci-india.com

चित्र–1 अस्थायी सम्बद्धता प्रमाण पत्र

आशातीत दायित्व के क्रम में कृषि विज्ञानं केंद्र द्वारा जनपद के २० चयनित प्रशिक्षणार्थियों को वैज्ञानिक बिधि से मशरुम उत्पादन विषय पर प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम का उद्‌घाटन करते हुए केंद्र के अध्यक्ष व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ आनंद सिंह ने कहा की कृषि जैसे संगठित क्षेत्रों में जहां अधिकांश खेतिहर मजदूर स्कूल तक की पढाई पूरी नहीं कर पाएं है या अशिक्षित है, लेकिन अपना कार्य करते करते उन्होंने अपने कार्य से सम्बंधित पेशेवर कौशल अर्जित किया है, ऐसे क्षेत्र में आरपीएल (पूर्व अध्यन की मान्यता) की महत्वा अधिक है, उनके कौशल को मान्यता देने के लिए भारतीय कृषि कौशल परिषद् कार्य कर रहा है।

पाठ्यक्रम निदेशक व प्रसार वैज्ञानिक शैलेन्द्र सिंह ने बताया की कृषि के क्षेत्र में कैरियर अवसरों के बारे में जानकारी देकर रूचि को बढ़ाने के साथ साथ उद्यम कौशल एवं दक्षता को स्वरोजगार के प्रोत्साहन के लिए विकसित करना ही इस प्रशिक्षणों का मुख्य उद्देश्य है। जिसके लिए समाचार पत्रों व सोशल मीडिआ के माध्यम से पूरे जनपद से आवेदन आमंत्रित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम १७ दिसंबर २०१८ से प्रारम्भ होकर १४ जनवरी २०१९ तक चला इस दौरान प्रशिक्षण की तीनो विधाओं जैसे परिचयात्मक, प्रयोगात्मक व प्रदर्शन पर कार्य किया गया और समय समय पर कार्यक्रम को समाचार पत्रों के माध्यम से बढ़ावा भी दिया गया १४ जनवरी २०१९ को कार्यक्रम समाप्त होने के बाद निर्धारित तिथि पर भारतीय कृषि कौशल परिषद द्वारा गठित दल से पूरे कार्यक्रम का आंकलन/मूल्यांकन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का सचित्र वर्णन

चित्र–2 कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित व दक्षता प्राप्त वैज्ञानिकों से व्याख्यान करवाए गए।

चित्र–3 पावर पॉइंट प्रजेंटेशन व विडिओ शो के माध्यम से मशरुम उत्तपादन के आवश्यक तथ्यों से अभ्यार्थियों को अवगत कराया गया

चित्र–4–5 मशरुम उत्त्पादन रेखाचित्र बनाना व प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत हर समूह के नायक द्वारा बारी बारी से प्रस्तुतीकरण किया गया

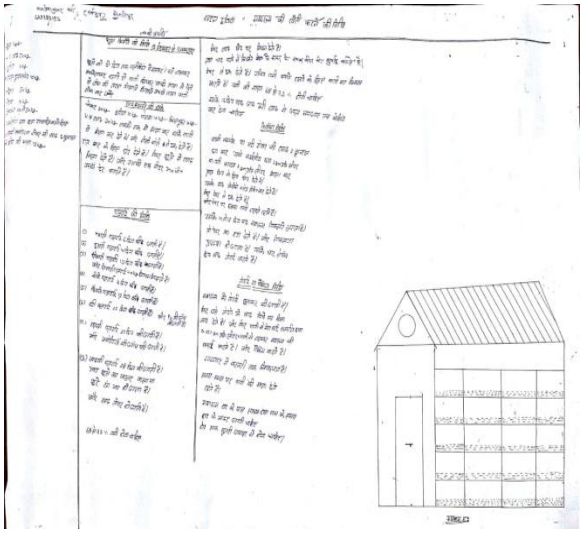

चित्र–6 समूह द्वारा बनाये गए रेखाचित्र की एक झलक

चित्र–7 प्रयोगात्मक क्रियाओं के दौरान अभ्यार्थियों द्वारा मशरुम उत्तपादन हेतु खाद तैयार करने की एक झलक, बताते चलें की प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ होने की तिथि १७ दिसम्बर २०१८ से ही अभ्यार्थियों द्वारा प्रशिक्षण केंद्र पर खाद तैयार करने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी थी जो १५ जनवरी २०१९ तक पूरी कर ली गयी

चित्र–8 एक्सपोजर/अनावरण भ्रमण के अंतर्गत अभ्यार्थियों को व्यावसायिक रूप से मशरुम उत्तपादन कर रहे प्रगतिशील उद्यमियों के कार्यस्थल का भ्रमण कराया गया

चित्र–9 प्रशिक्षण के दौरान ही कुल ८ अभ्यार्थियों द्वारा अपने अपने घरों पर मशरुम उत्त्पादन का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया था जिसके लिए उन्हें प्रशिक्षण केंद्र द्वारा स्पान/बीज उपलब्ध कराया गया

चित्र–10 कुल २५ दिवसीय प्रशिक्षण के समाप्ति के बाद भारतीय कृषि कौशल परिषद् द्वारा गठित दल व कृषि विज्ञानं केंद्र के वैज्ञानिक, अभ्यर्थियों की ऑनलाइन परीक्षा लेते हुए

चित्र–11 वैज्ञानिको द्वारा अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा लेते हुए एक झलक

कृषि कौशल परिषद से हो रहा राष्ट्र निर्माण: डॉ. आनंद सिंह

चयनित 20 प्रशिक्षार्थियों को वैज्ञानिक विधि से मशरुम उत्पादन पर किया जा रहा प्रशिक्षित

सीतापुर-कार्यक्रम के बाद मौजूद किसान व कृषि वैज्ञानिकगण।

सीतापुर। कृषि जैसे संगठित क्षेत्रों में जहां अधिकांश खेतिहर मजदूर स्कूल तक की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए है या अशिक्षित है, अपना काम करते-करते उन्होंने अपने काम से सम्बंधित पेशेवर कौशल अर्जित किया है, ऐसे क्षेत्र में आरपीएल (पूर्व अध्यन की मान्यता) की महत्वअधिक है, उनके कौशल को मान्यता देने के लिए भारतीय कृषि कौशल परिषद कार्य कर रहा है। यह बात कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए केंद्र के अध्यक्ष व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आनंद सिंह ने कही।

कृषि एवं सम्बंधित क्षेत्रों में मजबूती और उद्यमिता विकास के लिए उद्योग से जुड़ी स्थायी परिस्थिति पणाली के निर्माण के लिए भारतीय कृषि कौशल परिषद (कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय) द्वारा किसानों, खेती एवं मजदूर श्रमिक, स्व-रोजगार और विस्तार कार्यकर्ता, जो संगठित एवं असंगठित कृषि और सम्बंधित उद्योगों में लगे हुए है उनके कौशल विकास और क्षमता निर्माण में सेतु की भूमिका निभाने के लिए कृषि विज्ञानं केंद्र कटिया को एक प्रशिक्षण केंद्र के तौर पर अस्थायी मान्यता प्रदान की गयी है। आशातीत दायित्व के क्रम में कृषि विज्ञानं केंद्र द्वारा जनपद के 20 चयनित प्रशिक्षणार्थियों को वैज्ञानिक विधि से मशरुम उत्पादन विषय पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। पाठ्यक्रम निदेशक व प्रसार वैज्ञानिक ने बताया की कृषि के क्षेत्र में कैरियर अवसरों के बारे में जानकारी देकर रूचि को बढ़ाने के साथ-साथ उद्यम कौशल एवं दक्षता को स्वरोजगार के प्रोत्साहन के लिए विकसित करना हो इस प्रशिक्षणों का मुख्य उद्देश्य है। मशरुम उत्पादन में बेहतर कृषि विज्ञानं पद्धतियों व तकनीकी कौशल की आवश्यकता पड़ती है जो इस प्रशिक्षण के माध्यम से पूरा किया जायेगा। डॉ. आनंद सिंह, डॉ. दया शंकर श्रीवास्तव, डॉ. सौरभ, डॉ. शिशिरकान्त, सचिन प्रताप तोमर व अन्य निवेदित वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा।

चित्र–12 कार्यक्रम का जनपद में अच्छा प्रभाव बड़े इसके लिए समय समय पर समाचार पत्रों व सोशल मीडिआ के माध्यम से प्रचार प्रसार किया गया जिसका संतोष जनक असर दिखा और बड़ी संख्या में लोगो ने प्रशिक्षण लेने की इच्छा व्यक्त की